भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3634
मंगलवार, 17 दिसंबर, 2024/26 अग्रहायण, 1946 (शक) को उत्तरार्थ

बीबीएसएसएल के उद्देश्य

3634 श्री सुनील कुमारः

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) की स्थापना के पीछे सरकार का लक्ष्य और उद्देश्य क्या है;
(ख) क्या यह सच है कि बीबीएसएसएल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और देश को बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक है तथा इससे देश को बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने में किस प्रकार की सहायता मिलने की संभावना है;
(ग) बिहार में बीबीएसएसएल की शाखाएं कहां-कहां कार्य कर रही हैं;
(घ) क्या बाल्मीकि नगर, बिहार में इसकी शाखा है;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) यदि नहीं, तो क्या सरकार यहाँ इसकी शाखा खोलने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क): सहकारिता मंत्रालय ने बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 2002 के अधीन भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) की स्थापना की है। BBSSL को इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (IFFCO), कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (KRIBHCO), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ मर्यादित (NAFED), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) द्वारा प्रवर्तित किया जा रहा है। BBSSL की प्रारंभिक चुकता पूंजी 250 करोड़ रुपये है जिसमें पांच प्रवर्तकों, प्रत्येक द्वारा 50 करोड़ रुपये का अंशदान किया गया है और इसकी अधिकृत शेयर पूंजी 500 करोड़ रुपये है। BBSSL फसल पैदावार में सुधार और स्वदेशी प्राकृतिक बीजों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक प्रणाली विकसित करने हेतु सहकारी समितियों के नेटवर्क के माध्यम से एकल ब्रांड के तहत उन्नत बीजों का उत्पादन, प्रापण और वितरण करेगा। BBSSL प्रमाणित बीजों के उत्पादन में किसानों की भूमिका सुनिश्चित करके बीज प्रतिस्थापन दर और किस्म प्रतिस्थापन दर को बढ़ाने में मदद करेगा। यह समिति 'सरकार के समग्र' दृष्टिकोण के माध्यम से भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों की विभिन्न योजनाओं और नीतियों का लाभ लेकर प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (PACS) के माध्यम से दो पीढ़ियों के बीज, अर्थात बुनियादी और प्रमाणित (प्रजनक बीजों को सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसंधान संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों जैसे ICRISAT, IRRI, CIMMYT, आदि से सोर्स किए जाएंगे) बीजों के उत्पादन, परीक्षण, प्रमाणन, प्रापण, प्रसंस्करण, भंडारण, ब्रांडिंग, लेबलिंग और पैकेजिंग पर ध्यान केंद्रित करेगी।

(ख): BBSSL सहकारी समितियों के माध्यम से भारत में उन्नत बीजों के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करेगा, जिससे आयातित बीजों पर निर्भरता घटेगी, कृषि उत्पादन बढ़ेगा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, "मेक इन इंडिया" को बढ़ावा मिलेगा जिसके फलस्वरूप “आत्मनिर्भर भारत” की प्राप्ति हो सकेगी ।

(ग) से (च): BBSSL के पटना और भागलपुर में पूर्णकालिक संसाधन हैं । प्राथमिक से लेकर शीर्ष स्तर की सभी सहकारी समितियां, BBSSL की सदस्य बन सकती हैं । BBSSL अपने सदस्य सहकारी समितियों के नेटवर्क के माध्यम से अपना कार्य करेगा । अब तक, कुल 14,816 सहकारी समितियां BBSSL की सदस्य बन चुकी हैं जिनमें से 418 सहकारी समितियां बिहार से हैं । जहां तक वाल्मीकि नगर का संबंध है, पश्चिम चंपारण जिले की 05 सहकारी समितियां BBSSL की सदस्य बन गई हैं । इसके अलावा, बिहार में अपना प्रचालन आरंभ करने के लिए BBSSL ने विक्रय और विपणन कार्यकलापों के लिए बिहार में एक अधिकारी तैनात किया है ।

*****